D.El.Ed. IInd Sem

1

Subject :- S.St.

Topic :- पृथ्वी की विभिन्न परतें

पृथ्वी की विभिन्न परतों की मोटाई उसकी विभिन्न अवस्थाओं पर आधारित है। विभिन्न घनत्व वाली परतों को "मण्डल" कहा जाता है। इन मण्डलों (zones) की गहराई तथा संख्या के विषय में विवाद है। कुछ विद्वान पृथ्वी की आन्तरिक संरचना तीन परतों में मानते हैं, जबकि अन्य विद्वान चार परतों में मानते हैं लेकिन यह बात निश्चित है कि परतें चाहे कितनी भी हों, पृथ्वी के अन्तरतम में अत्यन्त कठोर पदार्थ अवश्य विद्यमान हैं, डॉली ने इसमें तीन परतें, जैफ्रे ने भूकम्पीय लहरों के आधार पर चार परतें, जबकि होम्स ने साधारणीकरण के लिए 'क्रस्ट (पपड़ी) और अधःस्तर के रूप में मात्र दो परतें ही बताई हैं। इन्हें निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया है।

P.T.O

1. सियाल	1. ऊपरी परत	1. पपड़ी या क्रस्ट
2. सिमा	2. मध्यवर्ती परत	2. अधः स्तर या सबस्ट्रेटम
3. निफे	3. निचली परत	

होम्स ने सियाल की मोटाई को अलग-2 बताया है –

(a) धरातलीय लहरो के आधार पर 15 Km. से अधिक।

(b). तापीय तर्कों के आधार पर 20 Km. तक।

(c). प्राथमिक लहरो के आधार पर (20-30) Km. तक।

(d). ~~भूसाम~~ भूसन्तति के धसाव के आधार पर 20 Km. से अधिक।

Thank you

by
Mr. Parveen Raj
Assi. Pro.
B.R.C. Dechanoli
SRE.

Scanned with CamScanner